रेडक्रॉस व रोटरी क्लब के सहयोग से

बीएसईएस कर्मियों ने किया रक्तदान

- 137 यूनिट रक्तदान जमा हुआ
- श्री धीरूभाई एच अंबानी की पुण्य तिथि के अवसर पर रक्तदान शिविर आयोजित

नई दिल्लीः 6 जुलाई, 2011। बीआरपीएल और बीवाईपीएल ने आज श्री धीरूभाई एच अंबानी की पुण्यतिथि के अवसर पर रक्तदान शिविरों का आयोजन किया। बीआरपीएल ने इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी के सहयोग से, और बीवाईपीएल ने रोटरी क्लब की मदद से अपने तीन ऑफिसों में रक्तदान शिविरों का आयोजन किया। इन शिविरों में कुल 137 यूनिट रक्त जमा हुआ। रक्तदान शिविरों में काम आने वाले तमाम जरूरी उपकरण व चीजें रेड क्रॉस सासायटी और रोटरी क्लब द्वारा मुहैया कराई गईं। प्रशिक्षित डॉक्टर भी इन्ही संस्थाओं के थे। रक्तदान करने वाले कर्मियों को डोनर कार्ड भी दिया गया।

अपने कॉरपोरेट सोशल रेस्पॉन्सिबिलिटी पहल के तहत बीएसईएस कंपनियों ने रक्तदान शिविरों का आयोजन किया। बीआरपीएल के नेहरू प्लेस और विकासपुरी ऑफिसों में, जबकि बीवाईपीएल के कड़कड़डूमा ऑफिस में रक्तदान शिविर का आयोजन हुआ। बीएसईएस साल में दो बार – जुलाई और दिसंबर महीनों में – रक्तदान शिविरों का आयोजन करती आ रही है। पिछले वर्षों में, गुरू तेगबहादुर अस्पताल जैसे अस्पतालों के साथ मिलकर भी बीएसईएस ने रक्तदान शिविरों का आयोजन किया है।

रक्तदान की जरूरत को रेखांकित करते हुए बीएसईएस ने अपने कर्मचारियों से अपील की थी कि वे इसके लिए आगे आएं। कर्मचारियों में रक्तदान के प्रति जागरूकता लाने के उद्देश्य से बीएसईएस ने अपने ऑफिसों में पोस्टर व पर्चे चिपकाए थे। इन पोस्टरों को देखकर, बड़ी संख्या में कर्मचारी रक्तदान के लिए आगे आए। गौरतलब है कि सुरक्षित खून की वजह से दुनियाभर में हर साल लाखों लोगों की जानें बचती हैं। यहां यह बताना जरूरी है कि एक यूनिट खून से चार लोगों की जान बचाई जा सकती है।

अध्ययनों से पता चला है कि भारत में सालाना 8.5 मिलियन यूनिट खून की जरूरत पड़ती है, लेकिन इसमें 2 मिलियन यूनिट रक्त की कमी रह जाती है। उल्लेखनीय है कि 1 अरब से अधिक की आबादी वाले देश में साल भर में मात्र 6.5 मिलियन यूनिट रक्त ही रक्तदान के माध्यम से जमा हो पाता है। आंकड़े बताते हैं कि दिल्ली, राजस्थान और बिहार आदि राज्यों में रक्तदान का प्रतिशत काफी कम है।

बीएसईएस प्रवक्ता के मुताबिक – हम अपने सीएसआर (कॉरपोरेट सोशल रेस्पांसिबिलिटी) पहल के तहत स्वैच्छिक रक्तदान को और बढ़ावा देंगे। बीएसईएस अपने उपभोक्ताओं से भी अपील करती है कि वे नियमित तौर पर रक्तदान करें। बीएसईएस द्वारा आयोजित रक्तदान शिविरों में कर्मचारी बढ़–चढ़ कर हिस्सा लेते हैं। कंपनी प्रवक्ता के मुताबिक, हालांकि ये छोटे प्रयास हैं, लेकिन हमें उम्मीद है कि ऐसे प्रयास जरूरतमंदों के लिए काफी मददगार साबित होंगे। उल्लेखनीय है कि अब तक बीएसईएस कर्मचारी 800 यूनिट रक्तदान कर चुके हैं।

दिल्ली की प्रमुख बिजली वितरण कंपनियां बीआपीएल व बीवाईपीएल अपने उपभोक्ताओं को गुणवत्तायुक्त बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें: प्रशान्त दुआ
कॉरपोरेट कम्युनिकेशंस– 39999870 / 9312007822

चंद्र पी कामत
कॉरपोरेट कम्युनिकेशंस– 39999415 / 9350130304